Bitary, Samastipur

Topic — MEANING AND DEFINITION, CHARACTERISTICS OF SOCIAL GROUP

सामाजिक समूह का अर्थ परिभाषाएं एवं विशेषताएँ

Sol—

समूह विभिन्न रूपों में सभी प्राणियों में और सभी जगह पाये जाते हैं। एक अर्थ में समाज स्वयं एक विशाल समूह है यह समूह विभिन्न आवश्यकताओं के अनुसार ऐसे असंख्य उप-समूहों में विभाजित हो गया है जिसके दर्शन हमें नित्य-प्रतिदिन अपने सामाजिक जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में होते हैं।

सामाजिक समूह का अर्थ एवं परिभाषाएँ (Meaning and Definitions of Social group) — सामाजिक समूह उन सामाजिक प्राणियों का एक संग्रह है जिनके बीच किसी-न किसी प्रकार का सम्बंध पाया जाता है। वास्तव में समूह व्यक्तियों का एक झुण्ड होता है जिसका सबसे छोटा रूप वह है जिसमे दो व्यक्ति होते हैं जैसे पति-पत्नी, माँ-बेटी, शिक्षक-विद्यार्थी आदि इस मानव-झुण्ड या संग्रह का विस्तृत रूप भी हो सकता है, जैसे क्लब, स्कूल, विश्वविद्यालय, जाति, प्रजाति, राष्ट्र आदि परन्तु समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण से सामाजिक समूह के अर्थ जानने के लिए निम्नलिखित परिभाषाओं का उल्लेख अति आवश्यक है—

सर्वश्री ऑगबर्न और निमकॉफ (Ogburn and Nimkoff) ने सामाजिक समूह की परिभाषा करते हुए लिखा है, "जब कभी भी दो या दो से अधिक व्यक्ति एक साथ मिलते हैं और एक दूसरे को प्रभावित करते हैं, तो वे एक सामाजिक समूह का निर्माण करते हैं।"

मैकाइवर एवं पेज (MacIver and Page) — के शब्दों में, "समूह से हमारा तात्पर्य मनुष्यों के उस संकलन से है जो एक दूसरे के साथ सामाजिक सम्बंध स्थापित करते हैं।"

आर. बी कैटल (R.B Cattell) ने समूह के सदस्यों के बीच सहयोग का होना अनिवार्य माना है। उनके अनुसार, "समूह व्यक्तियों के उस एकत्रीकरण को कहते हैं जिसमे प्रत्येक व्यक्ति की कुछ आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए सभी

सदस्यों का सहयोग सम्बंध लिया जाये।"

प्रो० स्माल (Albion Small) के अनुसार, "समूह का अर्थ व्यक्तियों की किसी भी उस बड़ी अथवा छोटी संस्था से है जिनके बीच इस प्रकार के सम्बंध विद्यमान हो कि उन्हे एक सम्बद्ध इकाई के रूप में सोचा जा सके।"

उपर्युक्त सभी परिभाषाओं को ध्यान मे रखते हुए हम यह कह सकते है कि जब दो या दो से अधिक व्यक्ति किसी सामान्य जानकारी या मान्यता या उद्देश्य के आधार पर आपस में एक दूसरे से सम्बंध स्थापित करते तथा दूसरे को प्रभावित करते है तो उसे हम 'सामाजिक समूह' कहते है।